Series QS1PR/1

SET-1

प्रश्न-पत्र कोड **29/1/1**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया गया है । इस प्रस्ताव का सत्तर से अधिक देशों ने समर्थन किया है । इसका उद्देश्य पोषक अनाज के टिकाऊ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के साथ इसके उपभोग के लिए लोगों को प्रेरित करना है । राष्ट्रीय स्तर पर अब किसी को संदेह नहीं रह गया है कि मोटे अनाज का उत्पादन, खपत, प्रसंस्करण, निर्यात और इसमें प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ना तय है । मोटे अनाज केवल भविष्य ही नहीं है, मोटे अनाज का समृद्ध इतिहास भी रहा है । मोटे अनाज में मुख्य तौर पर ज्वार, बाजरा, महुआ, जौ, कोदो, साँवा, बाजरा, कुटकी, कांगनी जैसे अन्न शामिल हैं । इन्हें श्री अन्न या कदन्न भी कहते हैं । श्री अन्न भारत और दुनिया के लोगों द्वारा खेती और उपभोग किए जाने वाले सबसे शुरुआती अनाजों में से एक है ।

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से अनाजों के उत्पादन पर असर दिखने लगा है । भविष्य में अति विषम जलवायु का अनुमान लगाया जा रहा है । कदन्न फ़सलें ऐसी जलवायु में अच्छी साबित हो सकती हैं । कृषि वैज्ञानिकों ने भी मोटे अनाज के महत्त्व को समझा है । अनेक मोटे अनाज की खेती कम पानी और विषम जलवायु में भी संभव है । जलवायु और जमीन के हिसाब से मोटे या पोषक अनाजों की खेती को बढ़ावा देने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है । ये अनाज किसानों के लिए ज्यादा कारगर हो सकते हैं क्योंकि मोटे अनाज के उत्पादन में लागत कम आती है । ये फ़सलें मिट्टी की कमियों के प्रति भी कम संवेदनशील हैं तथा इन्हें कम जलोढ़ या लोमी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है । इन्हें जल, उर्वरक और कीटनाशकों की भी न्यूनतम जरूरत पड़ती है । मोटे अनाज की खेती कार्बन फुट प्रिंट को भी कम करने में मदद करती है ।

मोटे अनाज के सेवन से स्वास्थ्य सुदृढ़ हो सकता है । ये अनाज अपने उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और लौह तत्त्व जैसे खनिजों के कारण गेहूँ और चावल की तुलना में कम खर्चीले और पौष्टिक रूप से बेहतर होते हैं । मोटापा और मधुमेह जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में मदद करते हैं इसलिए इन्हें 'सुपर फूड' भी कहा जाता है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) मोटे अनाज को 'भविष्य का भोजन' क्यों कहा गया है ?

(A) भविष्य में केवल इन्हीं की खेती संभव होने के कारण

(B) तेजी से बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी इनकी खेती संभव होने के कारण

(C) कम लागत में अधिक पैदावार होने के कारण

(D) विश्व को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता के कारण

(ii) 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' की घोषणा का उद्देश्य है :

(A) देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना

(B) मोटे अनाज को फिर से चलन में लाना

(C) मोटे अनाज के लाभों से परिचित कराना

(D) मोटे अनाज के सेवन और उत्पादन के लिए प्रेरित करना

(iii) जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से कदन्न फ़सलें क्यों महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं ?

(A) किसी भी प्रकार की मिट्टी में लगाए जा सकने के कारण

(B) विषम जलवायु में भी खेती की जा सकने के कारण

(C) खाद और कीटनाशक दवाइयों की जरूरत कम होने के कारण

(D) लोगों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के कारण

(iv) किसानों के लिए कदन्न फसलें लाभकारी हैं, क्योंकि :

(A) इन्हें लगाने में अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता

(B) इन्हें बार-बार पानी नहीं देना पड़ता

(C) अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में इनकी माँग अधिक है

(D) इनके उत्पादन में लागत कम आती है

(v) 'ये फ़सलें मिट्टी की कमियों के प्रति कम संवेदनशील हैं' पंक्ति का अभिप्राय है :

(A) मिट्टी की गुणवत्ता के अनुसार स्वयं को ढाल लेती हैं ।

(B) मिट्टी की गुणवत्ता का इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता ।

(C) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में भी इन्हें लगाया जा सकता है ।

(D) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में इन्हें नहीं लगाया जा सकता है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vi) गेहूँ, चावल जैसे अनाजों की तुलना में मोटा अनाज क्यों बेहतर है ?

(A) कम लागत और पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण

(B) कम मेहनत से खेतों में आसानी से पैदा होने के कारण

(C) सभी प्रकार की मिट्टी में उगाए जाने के कारण

(D) गेहूँ, चावल की तुलना में सस्ता होने के कारण

(vii) मोटे अनाज को पोषक अनाज या सुपर फूड के नाम से क्यों जाना जाता है ?

(A) अधिक टिकाऊ और गुणवत्ता से परिपूर्ण होने के कारण

(B) सुपाच्य और कम खर्चीला होने के कारण

(C) पौष्टिक और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के कारण

(D) बहुतायत में उपलब्ध होने के कारण

(viii) मोटे अनाज की लोकप्रियता को बढ़ाया जा सकता है :

(A) गुणवत्ता के प्रति लोगों को जागरूक कर

(B) इसकी पैदावार को बढ़ाकर

(C) विदेशों में निर्यात बढ़ाकर

(D) लोगों के बीच इसे वितरित कर

(ix) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : कदन्न की फ़सल को कम जलोढ़ या लोमी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है ।

कारण : इन्हें जल, उर्वरक और कीटनाशकों की न्यूनतम जरूरत पड़ती है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(x) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. मोटे अनाज के सेवन से स्वास्थ्य सुदृढ़ होगा ।

II. मोटा अनाज कृषि-क्षेत्र को मजबूत करेगा ।

III. बदलती जलवायु परिस्थितियों में केवल मोटा अनाज ही उगाया जा सकेगा ।

विकल्प :

(A) केवल I

(B) केवल III

(C) I और II दोनों

(D) II और III दोनों

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद
आदमी भी क्या अनोखा जीव है !
उलझनें अपनी बनाकर आप ही फँसता,
और फिर बेचैन हो जगता, न सोता है ।

जानता है तू कि मैं कितना पुराना हूँ ?
मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते-मरते
और लाखों बार तुझ-से पागलों को भी
चाँदनी में बैठ स्वप्नों पर सही करते ।

आदमी का स्वप्न ? है वह बुलबुला जल का
आज उठता और कल फिर फूट जाता है
किन्तु, फिर भी धन्य, ठहरा आदमी ही तो ?
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है ।

मैं न बोला किन्तु मेरी रागिनी बोली,
देख फिर से, चाँद ! मुझको जानता है तू ?
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं ? है यही पानी ?
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू ?

मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाता हूँ ।
और उस पर नींव रखता हूँ नये घर की,
इस तरह दीवार फ़ौलादी उठाता हूँ ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने, जिसकी
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है ।
स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढ़ते जा रहे हैं वे,
रोकिये, जैसे बने इन स्वप्नवालों को,
स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे ।

(i) चाँद को किस बात का अहंकार है ?

(A) अपने सौंदर्य का

(B) आदिमानव को देखने का

(C) सृष्टि में प्राचीनतम होने का

(D) कवि को कविता लिखते देखने का

(ii) चाँद के अनुसार मनुष्य का स्वप्न किसके समान है ?

(A) पानी

(B) आग

(C) बुलबुले

(D) लोहे

(iii) आदमी को धन्य क्यों कहा गया है ?

(A) नित नई कल्पना करने के कारण

(B) सपनों पर कविता लिखने के कारण

(C) नये-नये सृजन करने के कारण

(D) बुलबुलों से खेलने के कारण

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) मैं न वह जो .... लोहा बनाता हूँ – पंक्तियों में मनुष्य की किस शक्ति को महत्त्व दिया है ?

(A) क्रियात्मक प्रतिभा (B) वैचारिक प्रतिभा

(C) काल्पनिक प्रतिभा (D) विश्लेषणात्मक प्रतिभा

(v) नये घर की नींव रखकर उसे फौलादी बनाने से क्या अभिप्राय है ?

(A) सुंदर समाज की रचना

(B) सुदृढ़ समाज की रचना

(C) आधुनिक समाज की रचना

(D) नए, मजबूत घर की रचना

(vi) 'मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने' पंक्ति में 'मनु पुत्र' किसे कहा गया है ?

(A) कवि को

(B) आधुनिक मानव को

(C) आदिमानव की संतान को

(D) क्रियात्मक शक्ति से युक्त मानव को

(vii) 'स्वर्ग का सम्राट' प्रतीकार्थ है :

(A) स्वर्ग के अधिपतियों का

(B) दैवीय शक्तियों का

(C) सत्ताधारी वर्ग का

(D) सकारात्मक प्रगति के विरुद्ध खड़ी शक्तियों का

(viii) 'रोज ही आकाश चढ़ते आ रहे हैं' – का आशय है :

(A) आकाश की ऊँचाइयों को छू रहे हैं

(B) अंतरिक्ष में पहुँच रहे हैं

(C) नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं

(D) रूढ़ियों पर विजय पा रहे हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) महेश को अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों का अर्थ समझने में कठिनाई का अनुभव होता है । रुक-रुक कर अपनी पसंद के समाचार जानने के लिए संचार के निम्नलिखित साधनों में से उसके लिए कौन-सा साधन उपयुक्त रहेगा ?

(A) टी.वी. (B) समाचार-पत्र

(C) रेडियो (D) इंटरनेट

(ii) समाचार-पत्रों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने और उसे संदर्भ की तरह इस्तेमाल करने का कारण :

(A) उसका स्थायित्व का गुण है ।

(B) उसमें शब्दों का उपयुक्त प्रयोग है ।

(C) उसमें लिखित भाषा की विशेषताएँ हैं ।

(D) उसमें वर्तनी की शुद्धता है ।

(iii) समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विविध रूपों का इस्तेमाल करते हैं, वह क्या कहलाता है ?

(A) संपादकीय लेखन (B) फ़ीचर लेखन

(C) स्तंभ लेखन (D) पत्रकारीय लेखन

(iv) विशेष रिपोर्ट तैयार करने के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को ध्यान में रखकर उचित क्रम वाले विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. किसी घटना, समस्या या मुद्दे से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्यों को इकट्ठा किया जाता है ।

II. किसी घटना, समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन की जाती है ।

III. तथ्यों का विश्लेषण कर नतीजे, प्रभाव और कारणों को स्पष्ट किया जाता है ।

विकल्प :

(A) III, I और II (B) I, III और II

(C) II, III और I (D) II, I और III

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी रोजमर्रा की ख़बरें लिखी जाती हैं :

(A) उलटा पिरामिड शैली में

(B) कथात्मक शैली में

(C) सीधा पिरामिड शैली में

(D) विश्लेषणात्मक शैली में

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना !
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह शहर
इसी तरह रोज़-रोज़ एक अनंत शव
ले जाते हैं कंधे
अँधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ़

(i) 'खाली कटोरों में वसंत का उतरना' से अभिप्राय है :

(A) शहर में वसंत का आगमन होना

(B) खाली कटोरों का पैसों से भर जाना

(C) जीवन में प्रसन्नता का छा जाना

(D) वसंत में पेड़ों का फूलों से लद जाना

(ii) 'यह शहर इसी तरह खुलता है'– इस पंक्ति का आशय है :

(A) हर दिन की शुरुआत उल्लास के साथ होती है

(B) बनारस शहर की दिनचर्या निश्चित है

(C) इस शहर में दुकानें खुलने का एक निश्चित समय है

(D) हर दिन की शुरुआत पूजा-अर्चना से होती है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) 'इसी तरह भरता और खाली होता है यह शहर' – इस पंक्ति में 'भरने और खाली' होने से अभिप्राय है :

(A) शहर की पूर्णता और रिक्तता से

(B) कटोरों के भरने और खाली होने से

(C) तीर्थयात्रियों के आवागमन से

(D) सैलानियों के घूमने-फिरने से

(iv) 'चमकती हुई गंगा' प्रतीकार्थ है :

(A) झिलमिल करती गंगा का

(B) चाँदी-सी चमकती गंगा का

(C) जीवनदायिनी गंगा का

(D) मोक्षदायिनी गंगा का

(v) 'अँधेरी गली' से अभिप्राय है :

(A) अंधकारयुक्त रास्ता

(B) सुनसान रास्ता

(C) मृत्युरूपी अंधकार

(D) जीवनरूपी अंधकार

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी । जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है । जनक की ही भाँति वह घोषणा करता है – मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ .... कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता । मनस्वी मित्र, तुम धन्य हो !

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) सुखी कौन है ?

(A) जिसका मन अपने नियंत्रण में है

(B) जिसके पास सुख-सुविधा के साधन हैं

(C) जो शारीरिक-मानसिक दृष्टि से स्वस्थ है

(D) जिसे किसी प्रकार का कोई कष्ट नहीं है

(ii) दुखी व्यक्ति क्या करता है ?

(A) अपने मन को नियंत्रण में करने की कोशिश

(B) अपनी कमजोरियों को छिपाने की कोशिश

(C) दूसरों को प्रसन्न करने की कोशिश

(D) दूसरों में दोष निकालने की कोशिश

(iii) निम्नलिखित में राजा जनक से कुटज की तुलना करने का कारण ***नहीं*** है :

(A) अपने मन पर नियंत्रण रखना

(B) संसार में रहते हुए भी उससे मुक्त रहना

(C) कामनाओं से मुक्त वैरागी जीवन जीना

(D) दूसरों को समान स्तर पर लाने की कोशिश करना

(iv) 'कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता' – कथन में निहित संदेश है :

(A) मन के कहे अनुसार जीवन में सभी कार्य करें ।

(B) कामनाओं की पूर्ति हेतु चुनौतियों का सामना करें ।

(C) यद्यपि मन चंचल है पर मन को अनदेखा न करें ।

(D) स्वयं पर नियंत्रण रखें, मन पर विजय प्राप्त करें ।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : कमजोर, अस्थिर, चंचल मन वाला व्यक्ति बाह्य परिस्थितियों से जल्दी प्रभावित होता है ।

कारण : उसकी इंद्रियाँ उसके नियंत्रण में नहीं रहतीं, वह सदैव असंतुष्ट रहता है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) सूरदास परिस्थितियों से भी अधिक आहत है :

(A) सुभागी के पुन: अपने पति भैरों के घर चले जाने की बात से

(B) गाँव वालों द्वारा सुभागी के प्रसंग में की जाने वाली बदनामी से

(C) भैरों और जगधर द्वारा किए जाने वाले अपमान और ईर्ष्या से

(D) भैरों द्वारा अपनी पत्नी सुभागी के साथ किए जाने वाले व्यवहार से

(ii) बालकों की विशेष रुचि होती है :

(A) संख्याओं में (B) खाने में

(C) खेल में (D) सोने में

(iii) 'बिचारी कहाँ मारी-मारी फिरेगी ? यह कलंक भी मेरे सिर लगना था ।' – इस कथन में किस 'कलंक' की बात हो रही है ?

(A) सुभागी के घर से बेघर होने की

(B) सुभागी और सूरदास के संबंधों की

(C) भैरों द्वारा सुभागी के साथ मारपीट की

(D) सुभागी की गाँव भर में निंदा की

(iv) 'दाँत निकाले हैं, टीसत है' – पंक्ति में 'टीसत' का अर्थ है :

(A) किसी भी चीज़ को दाँत से यों ही काटना

(B) कट जाने के कारण दर्द से कसकना

(C) दाँत निकाले जाने पर होने वाला दर्द

(D) नए दाँत निकलने पर होने वाला दर्द

(v) बत्तख जब अंडा देने वाली होती है तब :

(A) अपने पंखों को फुलाकर बैठ जाती है ।

(B) अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरनाक हो जाती है ।

(C) पानी छोड़कर जमीन पर आ जाती है ।

(D) जमीन छोड़कर पानी में चली जाती है ।

(vi) 'आसमान तो घऊँ-घऊँ कर रहा था ।' – पंक्ति का अर्थ है :

(A) आसमान गरज रहा था ।

(B) आसमान में बादल गरज रहे थे ।

(C) आसमान में बिजली कड़क रही थी ।

(D) आसमान में बादल घिर रहे थे ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था ।

कारण : विकास की औद्योगिक सभ्यता के दुष्प्रभाव से मालवा भी अछूता नहीं रहा ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) भीड़ भरी बस में यात्रा का अनुभव

(ख) अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का बढ़ता कद

(ग) युद्ध ही अंतिम विकल्प नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) 'शब्दों से जुड़ना कविता की दुनिया में प्रवेश करना है ।' सिद्ध कीजिए ।

(ख) कहानी में संवादों की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नाटक में स्वीकार एवं अस्वीकार की अवधारणा से क्या तात्पर्य है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) पत्रकारीय लेखन के किस रूप को पाठकों का अपना स्तंभ कहा जा सकता है और क्यों ?

(ख) तकनीकी प्रगति के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता अपने शैशवकाल में ही क्यों है ? इसकी प्रगति के लिए क्या आवश्यक है ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' कविता से उद्धृत 'दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !' – पंक्ति के संदर्भ में कवि के हृदय की पीड़ा का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'वसंत आया' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कीजिए ।

(ग) घनानंद और उसकी नायिका सुजान के बीच क्या होड़ चल रही थी ? 'कवित्त' के आधार पर वर्णन कीजिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) आह ! वेदना मिली विदाई !
मैंने भ्रम-वश जीवन संचित,
मधुकरियों की भीख लुटाई ।
छलछल थे संध्या के श्रमकण,
आँसू-से गिरते थे प्रतिक्षण ।
मेरी यात्रा पर लेती थी –
नीरवता अनंत अँगड़ाई ।

अथवा

(ख) घर घर चीर रचा सब काहूँ । मोर रूप रँग लै गा नाहू ।।
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई । अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई ।।
सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा । सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ।।
यह दुख दगध न जानै कंतू । जोबन जनम करै भसमंतू ।।

12. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'बालक बच गया' प्रसंग में 'जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मर्मर' किसे कहा गया है ? उसे सुनकर लेखक को कैसा लगा ?

(ख) 'संवदिया' कहानी के आधार पर लिखिए कि बिंहपुर स्टेशन पहुँचने पर हरगोबिन की मन:स्थिति कैसी थी ।

(ग) हर की पौड़ी की भीड़ और शहर की भीड़ के अंतर को 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) चौधरी साहब से तो अब अच्छी तरह परिचय हो गया था । अब उनके यहाँ मेरा जाना एक लेखक की हैसियत से होता था । हम लोग उन्हें एक पुरानी चीज़ समझा करते थे । इस पुरातत्त्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का एक अद्भुत मिश्रण रहता था । यहाँ पर यह कह देना आवश्यक है कि चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे । वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहाँ खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे । उनकी हर एक अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकती थी । कंधों तक बाल लटक रहे हैं । आप इधर से उधर टहल रहे हैं । एक छोटा सा लड़का पान की तश्तरी लिए पीछे-पीछे लगा हुआ है ।

अथवा

(ख) इन्हीं गाँवों में एक का नाम है – अमझर – आम के पेड़ों से घिरा गाँव – जहाँ आम झरते हैं । किंतु पिछले दो-तीन वर्षों से पेड़ों पर सूनापन है, न कोई फल पकता है, न कुछ नीचे झरता है । कारण पूछने पर पता चला कि जब से सरकारी घोषणा हुई है कि अमरौली प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवागाँव के अनेक गाँव उजाड़ दिए जाएँगे, तब से न जाने कैसे, आम के पेड़ सूखने लगे । आदमी उजड़ेगा, तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे ?

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *3*

(क) 'ये सदानीरा नदियाँ अब मालवा के गालों के आँसू भी नहीं बहा सकती ।' इस कथन के आधार पर लिखिए कि वर्तमान समय में देश के अन्य भागों में नदियों की क्या स्थिति है ।

अथवा

(ख) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से ली गई पंक्ति – "खेल में रोना कैसा ?" – में किस खेल की बात हो रही है ? जीवन में मिलने वाली असफलताओं के संदर्भ में इससे क्या प्रेरणा मिलती है ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/1/1--3)**

Series QS1PR/1

सामान्य निर्देश:-

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न-पत्र कोड 29/1/1, 2, 3

अंक-योजना

हिन्दी (ऐच्छिक)

Series QS1PR/1

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/1/1 प्रश्न सं.	29/1/2 प्रश्न सं.	29/1/3 प्रश्न सं.		
1	1	2	1	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) तेजी से बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी इनकी खेती संभव होने के कारण (ii) (D) मोटे अनाज के सेवन और उत्पादन के लिए प्रेरित करना (iii) (B) विषम जलवायु में भी खेती की जा सकने के कारण (iv) (D) इनके उत्पादन में लागत कम आती है (v) (C) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में भी इन्हें लगाया जा सकता है। (vi) (A) कम लागत और पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण (vii) (C) पौष्टिक और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के कारण (viii) (A) गुणवत्ता के प्रति लोगों को जागरूक कर (ix) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (x) (C) I और II दोनों	10 ×1= 10
2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--**	8 x 1=8

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				(i) (C) सृष्टि में प्राचीनतम होने का (ii) (C) बुलबुले (iii) (C) नये-नये सृजन करने के कारण (iv) (A) क्रियात्मक प्रतिभा (v) (B) सुदृढ़ समाज की रचना (vi) (D) क्रियात्मक शक्ति से युक्त मानव को (vii) (D) सकारात्मक प्रगति के विरुद्ध खड़ी शक्तियों का (viii) (C) नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं	
3	3	6	6	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) समाचार-पत्र (ii) (A) उसका स्थायित्व का गुण है। (iii) (D) पत्रकारीय लेखन (iv) (D) II, I और III (v) (A) उलटा पिरामिड शैली में	5 x 1=5
4	4	5	3	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) जीवन में प्रसन्नता का छा जाना (ii) (A) हर दिन की शुरुआत उल्लास के साथ होती है (iii) (A) शहर की पूर्णता और रिक्तता से (iv) (D) मोक्षदायिनी गंगा का (v) (C) मृत्युरूपी अंधकार	5 x 1=5
5	5	4	4	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) जिसका मन अपने नियंत्रण में है (ii) (B) अपनी कमजोरियों को छिपाने की कोशिश (iii) (D) दूसरों को समान स्तर पर लाने की कोशिश करना (iv) (D) स्वयं पर नियंत्रण रखें, मन पर विजय प्राप्त करें। (v) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	5 x 1=5
6	6	3	5	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--**	7 x 1=7

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				(i) (B) गाँव वालों द्वारा सुभागी के प्रसंग में की जाने वाली बदनामी से (29/1/1) (i) (B) सुभागी का रात भर सूरदास की झोंपड़ी में रहना (29/1/2) (i) (D) भैरों को मिली पैसों की थैली पर (29/1/3) (ii) (A) संख्याओं में (iii) (A) सुभागी के घर से बेघर होने की (iv) (B) कट जाने के कारण दर्द से कसकना (D) नए दाँत निकलने पर होने वाला दर्द (दोनों में से कोई भी विकल्प स्वीकार्य) (v) (C) पानी छोड़कर जमीन पर आ जाती है। (vi) (B) आसमान में बादल गरज रहे थे। (vii)(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	
7	7	7	7	**खंड-ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	5
8	8	9	9	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) • शब्दों से खेलना • शब्द कविता की अनजानी दुनिया का पहला उपकरण • शब्दों से मेलजोल कविता की पहली शर्त • शब्दों के भीतर छिपे अर्थ की परतों को खोलना • शब्दों की तुकबंदी से छंद, लय और व्यवस्था की दुनिया में ले जाना (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	2 x 3=6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				(ख) • संवाद द्वारा कहानी के पात्र को स्थापित, विकसित करना और गति देना • जो घटना या प्रतिक्रिया कहानीकार होते हुए नहीं दिखा सकता, उसे संवादों के माध्यम से सामने लाना • संवाद के बिना पात्र की कल्पना भी मुश्किल (ग) • नाटक में स्वीकार से अधिक अस्वीकार की धारणा का महत्त्व • जिस नाटक में असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध और अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्त्वों की जितनी ज्यादा उपस्थिति, वह उतना ही रोचक और प्रभावशाली • किसी भी विचार, व्यवस्था अथवा तात्कालिक समस्याओं को यथास्थिति स्वीकार करने वाले नाटक अधिक लोकप्रिय नहीं	
9	9	8	8	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • संपादक के नाम पाठकों के पत्र को • पाठकों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने के साथ जन-समस्याओं को उठाकर जनमत को प्रतिबिंबित करना • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का अवसर (ख) (2+1) • हिन्दी के फौंट की सहज अनुपलब्धता • हिन्दी का अपना कोई 'की-बोर्ड' न होना • डायनमिक (सर्वमान्य) फौंट का न होना **आवश्यक कदम अपेक्षित :** • हिन्दी फौंट को सहज उपलब्ध कराया जाए • 'की-बोर्ड' का मानकीकरण हो	2 x 3=6
10	10			**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • कवि निराला का जीवन-संघर्ष	2 x 2=4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				• भाग्यहीन पिता का संघर्ष, समाज से उसके संबंध, पुत्री के प्रति बहुत कुछ न कर पाने का अकर्मण्यता बोध	
				(ख) • पेड़ों से पत्ते झड़ना , नई कोपलें फूटना • शीतल-मंद हवा बहना, ढाक के जंगल दहकना • कोयल, भ्रमरों का अपनी मस्ती में झूमना • रंग-बिरंगे फूल खिलना	
				(ग) • नायिका सुजान कब तक कवि घनानंद की पुकार को सुनकर भी न सुनने का दिखावा करती रहेगी? • घनानंद को पूर्ण विश्वास है कि उसकी 'कूकताभरी मूकता' के आगे नायिका को अपना हठ छोड़ना ही पड़ेगा और कवि से बात करनी ही होगी।	
		10		(क) • दिवंगत पुत्री सरोज की स्मृति की सघन अनुभूतियों की अभिव्यक्ति • पुत्री के माध्यम से दिवंगत पत्नी की भी स्मृति हो आना • अभाव और संघर्षों के चलते पुत्री सरोज के लिए बहुत कुछ न कर पाने की पीड़ा	
				(ख) • आज के नगरीय मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना • ऋतुपरिवर्तन से उत्पन्न प्राकृतिक परिवर्तनों से अनजान • वसंत के आगमन की सूचना भी कैलेंडर देखकर, स्कूल, कॉलेज या दफ्तर में छुट्टी से मिलना ही जीवन की विडंबना	
				(ग) • घनानंद को अपने प्रेम पर पूर्ण विश्वास • कवि को अपने मौन में प्रेम की पीड़ा से प्रेयसी को उससे बात करने (प्रेमाभिव्यक्ति) के लिए विवश होने का विश्वास • उसके हृदय की पीड़ा अवश्य ही प्रेयसी महसूस करेगी और उससे मिलने आएगी।	
			10	(क) • हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मृतक व्यक्ति की आत्मा की शांति, मोक्ष तथा अपनी भावाभिव्यक्ति के	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				लिए जल तथा तिल आदि अन्य वस्तुओं से किया गया अर्पण ही तर्पण कहलाता है। • कवि अपने विगत जीवन में किए गए अच्छे कर्मों का फल अपनी पुत्री को भेंट कर उसका तर्पण करता है। (ख) • वसंत ऋतु की हवा में शीत ऋतु की हवा की कँपकपाहट न होकर, हल्की-सी गर्माहट होती है। • ऐसा लगता है हवा गर्म पानी में नहाकर आई हो। • खिली-खिली तेजी से आती हवा, गोल-गोल फिरकी-सी घूमती है। (ग) • प्रेमिका सुजान के न आने से घनानंद का उदास होना • प्रेयसी के आगमन की सूचना देने वाले आनंद के बादल अब उसके मन रूपी आकाश में नहीं घिरते	
11	11	11	11	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) कवि – जयशंकर प्रसाद कविता – देवसेना का गीत **अथवा** (ख) कवि—मलिक मुहम्मद जायसी कविता – बारहमासा	6
12	12			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • बालक द्वारा इनाम में लड्डू की माँग को • लेखक ने सुख की साँस ली कि बालक थोपे गए ज्ञान के बोझ से मुक्त हो गया। उसकी बालसुलभ प्रवृत्तियाँ, स्वाभाविकता, जीवंतता बनी हुई है। (ख) • मन का भारी होना • संवाद सुनाने में स्वयं को असमर्थ पाना • बड़ी बहुरिया के दुखों से समानुभूति करना	2 x 2=4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				• बड़ी बहुरिया के अपने गाँव (मायके) लौट जाने की आशंका पर संवदिया को अपने गाँव की बदनामी की चिंता	
				(ग) • हर की पौड़ी की भीड़ में एकसूत्रता थी, सबका गंतव्य एक ही था। सभी जीवन के प्रति कल्याण की कामना लिए आगे बढ़ रहे थे। कोई दौड़ नहीं थी। • शहर की भीड़ में अपने-अपने गंतव्य स्थल पर पहुँचने की शीघ्रता होती है। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ रहती है।	
		12		(क) • 'बालक बच गया' का अर्थ : ज्ञान के जबरन लादे जाने वाले बोझ से बालक की जीवंतता का, स्वाभाविकता का बच जाना • बालक द्वारा इनाम में लड्डू माँगे जाने पर उसके माता-पिता और अध्यापकों द्वारा लादे जाने वाले ज्ञान के बोझ से बचने के संदर्भ में।	
				(ख) • संवदिया की आँखों के सामने बड़ी बहुरिया का चेहरा घूम रहा था, उसका संवाद उसे काँटे की तरह चुभ रहा था, उसके मन को पीड़ित कर रहा था। • जलपान करते समय उसे लग रहा था, मेरे सामने भरी थाली रखी है जबकि बड़ी बहुरिया दालान पर भूखी-प्यासी बैठी उसकी राह देख रही होगी। • संवाद न सुना पाने की बेचैनी उसे चैन से रहने नहीं दे रही थी।	
				(ग) • मंदिर में जब संभव पंडित जी से कलावा बँधवा रहा था तभी एक दुबली-पतली लड़की भी उसी के पास आकर खड़ी हो गई और अपनी कलाई पुजारी की तरफ बढ़ा दी। • लड़की ने पुजारी जी से अगले दिन आने के लिए कहा – 'हम कल आरती की बेला आएँगे।'	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

			12	• पुजारी द्वारा लड़की द्वारा प्रयुक्त ‘हम’ को युगल अर्थ में लेते हुए संभव और पारो को दंपती के रूप में आशीष दिया। • लड़की को देखकर संभव के मन में प्रेम का अंकुर स्फुटित हुआ। (क) • पाठ के आधार पर ऐसा लगता है कि संवदिया लंबे समय के बाद अपने गाँव से कटिहार पहुँचा था। • अब कटिहार स्टेशन का कायाकल्प हो चुका था, कौन-सी गाड़ी आ रही है, कौन-सी गाड़ी जाने वाली है, अलग-अलग स्टेशनों के लिए गाड़ी कौन-से प्लेटफॉर्म पर खड़ी है, घोषणा भोंपू (लाउडस्पीकर) द्वारा समय-समय पर की जा रही थी। किसी से पूछने या भटकने की परेशानी अब वहाँ नहीं थी। (ख) • इनाम की बात सुनकर बालक दुविधाग्रस्त स्थिति में आ गया था। उसके हृदय में कृत्रिमता और स्वाभाविकता के भावों की लड़ाई चल रही थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि स्वयं को खुश करे या अपने गुरुजनों को। • अंत में बालक के बालपन की जीत हुई। बालक की सहज प्रवृत्तियाँ जीत गईं। (ग) • मंदिर में घटने वाली घटना के लिए अफ़सोस जताएगा। • लड़की उस बात को कोई विशेष महत्त्व नहीं देगी। • लड़की से उसके शहर का नाम पता करने की कोशिश करेगा और इस तरह बातों का सिलसिला आगे बढ़ेगा।	
13	13	13	13	**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ – प्रेमघन की छाया-स्मृति लेखक – रामचंद्र शुक्ल **अथवा**	6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				(ख) पाठ —जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा	
14	14	14		**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से अलग नहीं • नदियों में केवल चौमासे में ही पानी आना • कुछ नदियाँ तो विलुप्त होने के कगार पर • शहरी और रासायनिक कचरे से नदियाँ प्रदूषित • पहाड़ों से मैदानों तक पहुँचते-पहुँचते उनका जल विषैला होना **अथवा** (ख) • जीवन रूपी खेल की बात • जीवन सफलता-असफलता का क्रम • असफलताओं से न घबराना • सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना धैर्यपूर्वक करना • दृढ़-इच्छाशक्ति से कार्य की पूर्ति (क) • सूरदास गाँधीवादी विचारधारा की प्रतिमूर्ति, आत्मबल के सहारे ईर्ष्या व अन्याय के विरुद्ध जीवन-संग्राम में जूझना, विषम परिस्थितियों का सामना साहस व धैर्य से करना, क्षमाशील, परोपकारी, संतोषी, प्रतिशोध की भावना से परे • वर्तमान समय में जीवन-मूल्यों की स्थापना, प्रतिशोध की भावना समाप्त करने और पुनर्निर्माण के लिए प्रेरणा हेतु सूरदास जैसे चरित्र की प्रासंगिकता क्योंकि प्रतिशोध दुर्बल मन की निशानी (ख) (1+2) • औद्योगिक इकाइयों द्वारा विषैला, रासायनिक अपशिष्ट नदियों में बहाया जाना	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				• धार्मिक आस्थाओं के चलते पूजा की सामग्री का नदी में प्रवाहित किया जाना • बढ़ती आबादी द्वारा भी नदियों को प्रदूषित किया जाना **सुझाव :** • जलशोधन इकाइयाँ लगाना • प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही • लोगों को सामाजिक मीडिया द्वारा जागरुक करना	
			14	(क) • अमेरिका की यह घोषणा बिलकुल अनुचित • वैश्वीकरण के इस दौर में प्रत्येक देश का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे से जुड़ाव • विकसित देशों की जीवन पद्धति से विकासशील देशों पर भी प्रभाव • प्राकृतिक परिवेश की सुरक्षा किसी एक देश की नहीं बल्कि सबकी साझी जिम्मेदारी **अथवा** (ख) • सूरदास के चरित्र का उज्ज्वल पक्ष—उसका सहृदय, संवेदनशील एवं परोपकारी स्वभाव • खुद बेघर हो जाने पर भी सुभागी के बेघर होने के दुख से सूरदास का अपराधबोध से ग्रसित होना • भैरों उसे स्वीकार करेगा या नहीं, वह अब क्या करेगी ? कहाँ जाएगी— मानवता के कारण इस बात से चिंतित होना	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in